मौसी की लड़की की पहली चुदाई

“मैं अपनी मौसी को चोद चुका था, अब बारी मौसी की बेटी की थी. मौसी भी इसके लिए राजी थी. मौसी ने खुद मुझे मौक़ा दिया उनकी बेटी को चोदने का.

कैसे ? पढ़ें कहानी और मजा लें ! …”

Story By: राहुल शर्मा (rahulshm2299)
Posted: Sunday, February 24th, 2019
Categories: भाई बहन
Online version: मौसी की लड़की की पहली चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मौसी की लड़की की पहली चुदाई

हैलो दोस्तो, नमस्कार… मैं आपका दोस्त राहुल शर्मा आपके सामने अपनी एक और आपबीती रख रहा हूँ. मैं हरियाणा का रहने वाला हूँ. मुझे बहुत सारे दोस्तों के मेल मिले. आप सबके मेल का जवाब मैंने दिया है. आपके प्यार का बहुत आभारी रहूँगा.

मेरी पिछली चुदाई की कहानी
मौसी की चूत की मजेदार चुदाई
में आपने पढ़ा था कि कैसे मैंने अपनी मौसी की चुदाई की थी.

> उस रात मैंने मौसी चार बार चोदा, वो कई बार झड़ी. वो कहने लगी कि आज आपने मुझे सच में तृप्त कर दिया, आज के बाद आप ही मेरे पति हो. यहां से फ्री होने के बाद मैं तुम्हारे साथ नोएडा रहने के लिए आऊंगी और तुम्हारी बहन को तुमसे चुदवाऊँगी.

अब आगे..

मेरी मौसी की दो लड़कियाँ हैं, बड़ी की शादी हो चुकी है और छोटी अभी B.A. कर रही है. उसका नाम पिंकी है, वो देखने में इतनी सुंदर और सेक्सी है कि कोई भी उसे एक बार देख ले तो मुठ मारे बिना नहीं रह सकता. हालांकि उसके मम्मे ज्यादा बड़े नहीं हैं.. पर फिर भी वो कमाल की चीज़ है. मैंने कई बार उसके नाम से मुठ मारी थी और अब उसे चोदना चाहता था.

जैसा कि मौसी ने वादा किया था वो पिंकी को मुझसे चुदवाएगी. वो वादा मौसी ने पूरा

किया.
वो कैसे.. आईए जानते हैं.

पिछले महीने की बात है, मौसी की देवरानी के घर कोई प्रोग्राम था. मौसी ने हमारी फ़ैमिली को भी बुलाया था, पर मैं अकेला ही मौसी के घर चला गया. प्रोग्राम अगले दिन सुबह था, इसलिए मेरी तरह बाकी सब रिश्तेदार भी आ गए थे.

रात को जब सोने की बारी आई तो जगह कम होने के कारण सबको अड्जस्ट करना पड़ा.
मौसी ने मुझसे कहा- मौका है, घुस जा !
और मैं पिंकी के रूम में जाकर सो गया. मैं अन्दर ही अन्दर बहुत खुश था कि आज मेरे सपनों की रानी मेरे साथ सोएगी.

मैंने मौसी को मसल दिया और जोर से किस कर दिया. मौसी ने मुझसे कहा- मैं अपना वादा पूरा कर रही हूँ.
जैसा मैंने सोचा था, ठीक वैसा ही हुआ, थोड़ी देर बाद पिंकी भी आ गई और आकर मेरे बगल में लेट गई.

कमरे में एक ही चादर थी, जो मैंने एक तरफ से ओढ़ रखी थी और ए.सी. चला हुआ था.
थोड़ी देर बाद जब पिंकी को भी ठंड लगने लगी तो वो भी चादर में आ गई.

सब सो गए थे.. पर मैं कहाँ सोने वाला था. थोड़ी देर बाद मुझे लगा कि पिंकी भी सो गई है. फिर मैंने बड़ी हिम्मत करके अपना एक हाथ उसके पेट पर रख दिया, वो सोई थी इसलिए उसने कुछ नहीं कहा.

फिर मैं धीरे-धीरे अपने हाथ को उसके मम्मों पर ले गया और धीरे-धीरे उसके मम्मे दबाने लगा. शायद वो सो गई थी इसलिए मैंने थोड़ी और हिम्मत की और हाथ उसके शर्ट के

अन्दर डाल दिया. पर उसने ब्रा बहुत टाइट डाली हुई थी इसलिए कोई फायदा नहीं हुआ.

अपना हाथ नीचे उसकी सलवार तक ले गया और धीरे-धीरे उसकी सलवार का नाड़ा खोल दिया. नाड़ा खुलते ही उसने थोड़ी हलचल की और साइड चेंज करके सो गई. मैं तो डर गया था, पर मेरी किस्मत अच्छी थी कि वो फिर से सो गई थी.

थोड़ी देर और इंतज़ार करके मैंने अपना हाथ उसकी सलवार में डाल दिया, हाथ सीधा जाकर उसकी फुद्दी के ऊपर लगा और मैं समझ गया कि उसने पेंटी नहीं पहनी थी. मैं बहुत खुश हो गया कि आज पहली बार अपनी मौसी की लड़की की फुद्दी को छूने का मौका मिला है. मैं यह सोच-सोच के पागल हुआ जा रहा था.

थोड़ी देर ऊपर हाथ फेरने के बाद मैं अपना हाथ उसकी टाँगों के बीच ले गया और उसकी फुद्दी को महसूस किया, जो एकदम रूई जैसी मुलायम थी. फिर मैंने फुद्दी के दोनों होंठों को टच किया और अपनी एक उंगली से उसकी फुद्दी को दबा दिया.

अचानक पिंकी जाग गई, मैंने फटाफट अपना हाथ बाहर निकाला और दूसरी तरफ मुँह करके सोने का नाटक करने लगा. वो उठ कर बैठ गई और उसने इधर-उधर देखा और फिर सो गई. मेरी जान में जान आई.

फिर मैं उठ कर बाथरूम गया और वहाँ उसके नाम की मुठ मारने लगा. आज मुठ मारने में एक अलग ही मज़ा था, मुझे ऐसा लग रहा था कि जैसे मेरा लौड़ा हाथ में नहीं बल्कि उसकी फुद्दी के अन्दर-बाहर हो रहा हो ! दस मिनट के बाद मेरा लंड छूट गया और मेरे लंड से पिचकारी सीधी दीवार पर गिरी. मैंने अपना लंड साफ किया और जाकर सो गया, इसके बाद और कुछ नहीं हो पाया.

अगले दिन जब सोने की बारी आई तो सब रात को 1:30 बजे तक बातें करते रहे. मैं फिर से

पिंकी के कमरे में ही सोया था. ज्यादा रात होने के कारण मुझे भी नींद आ गई थी. फिर जब मेरी नींद खुली तो मैंने देखा कि पिंकी अलग चादर लेकर सोई हुई थी. उसको देख कर मेरा दिमाग़ शैतान हो गया और मैं उसकी चादर में जाकर लेट गया, उसने लोअर और टी-शर्ट पहनी थी.

थोड़ा इंतज़ार करने के बाद मैंने अपना हाथ सीधा उसके मम्मों पर रख दिया और दबाने लगा. आज उसे कोई होश नहीं था. शायद सारा दिन काम करके वो थक गई थी. मैंने उसकी टी-शर्ट ऊपर की और उसके पेट पर हाथ फेरने लगा. फिर मैंने उसका लोअर थोड़ा नीचे सरका दिया, मैंने उसकी पेंटी भी नीचे सरका दी और जाकर उसकी टाँगों के बीच बैठ गया और उसकी फुद्दी में अपनी जीभ देने लगा.

थोड़ी देर चाटने के बाद वो हुआ, जिसकी मुझे उम्मीद नहीं थी, उसके हाथ मेरे सिर पर था, वो जागी हुई थी और अब वो मेरा सिर अपनी फुद्दी में दबा रही थी.
बस फिर क्या था … मुझे तो ग्रीन सिगनल मिल गया. अब मैं पूरे जोश में अपनी मौसेरी बहन की फुद्दी चाटने लगा. थोड़ी देर के बाद मैं उसके ऊपर आ गया और उसकी टी-शर्ट और पिंक ब्रा भी खोल दी, फिर मैंने उसके लबों में लब डाल दिए और चूसने लगा और एक हाथ से उसके मम्मे दबाने लगा.
अब वो भी गरम हो रही थी.

थोड़ी देर लब चूसने के बाद मैंने उसके मम्मे भी चूसे. फिर मैंने उसका लोअर और पेंटी पूरी उतार कर टाँगों से अलग कर दी और फिर खुद भी नंगा हो गया. आज मैंने पहली बार किसी लड़की को पूरा नंगी देखा था और वो तो एकदम जन्नत की हूर लग रही थी, उसके गोल-गोल छोटे-छोटे मम्मे क्या मस्त लग रहे थे.. दिल कर रहा था कि इन्हें अभी खा लूँ. मेरे नंगा होते ही वो मुझसे लिपट गई.. मैं तो जैसे जन्नत में था !

मेरी हूर पूरी नंगी, मुझसे लिपटी हुई थी. थोड़ी देर ऐसे ही लिपटे रहने के बाद हम अलग

हुए और मैंने उसे लेटने को कहा. फिर मैंने उसकी टांगें खोलीं और उसकी फ़ुद्दी चाटने लगा, अब पिंकी को भी जोश चढ़ रहा था.
क्या महक थी उसकी फ़ुद्दी की … मुझे तो बहुत मजा आ रहा था. उसके मुँह से ‘आआहहह आहहह’ की आवाज़ें आ रही थीं.

थोड़ी देर के बाद उसकी बॉडी अकड़ने लगी और उसकी फ़ुद्दी ने नमकीन पानी छोड़ दिया और वो बोली- भाई, अब मत तड़पाओ, डाल दो मेरे अन्दर !

मैंने उसे अपना लंड चूसने को बोला, पर उसने मना कर दिया. मेरे ज़ोर देने पर वो मान गई और मैंने अपना पूरा लौड़ा उसके मुँह में दे दिया, वो उसे लॉलीपॉप की तरह चूस रही थी. उसने करीब 10 मिनट तक मेरा लंड चूसा और मेरा माल उसके मुँह में छूट गया. उसका मुँह मेरी क्रीम से भर गया था, उसने सारा अन्दर कर लिया और मैं लेट गया.
वो भी मेरी बगल में लेटी थी, मैंने बोला- अब तुम ही इसे खड़ा करो !
वो बोली- कैसे ?
तो मैंने बोला- इसे दोबारा चूसो.

वो चूसने लगी.. दो मिनट में ही मेरा लंड फिर से अकड़ गया और मैंने टाइम ना गंवाते हुए उसे नीचे लेटाया और उसे टांगें खोलने को कहा. उसने टांगें खोल दीं और मैं अपना लंड उसकी फ़ुद्दी पर रगड़ने लगा, उसके मुख से ‘आह.. आहह आआहहह..’ की आवाज़ें आ रही थीं.

मैंने एक जोरदार झटका मारा तो उसके मुँह से चीख निकल गई ‘उउउईईउम्म्ह… अहह… हय… याह… ईई..’ और वो चिल्लाने लगी- बाहर निकालो इसे.. मैं मर जाऊँगी !

मैंने जल्दी से अपने मुँह से उसके मुँह को दबा दिया और फिर एक और झटका मारा. अबकी बार वो पहले से ज्यादा ज़ोर से चीखी पर मेरा मुँह होने के कारण उसकी चीख दबी रह गई.

फिर मैंने 2 झटके और मारे और मेरा पूरा लंड उसकी फ़ुद्दी में समा चुका था, उसकी आँखों से पानी बह रहा था.

मैंने कुछ देर ऐसे ही रहने दिया, जब उसका दर्द थोड़ा कम हुआ तो मैंने उसके मुँह से अपना मुँह अलग किया और देखा कि उसकी फ़ुद्दी से खून निकल रहा था जिससे बेड की चादर खराब हो गई थी. वो ये सब देख कर डर गई थी, पर फिर मैंने उसे समझाया कि पहली बार ऐसा होता है.

जब उसका दर्द काफ़ी कम हो गया तो मैंने धीरे-धीरे झटके लगाने चालू कर दिए. अब उसे भी मजा आने लगा और वो भी 'फक मी.. फक मी..' कर रही थी और उसके मुँह से 'आहहह आआहह हहआ.. आहह.. आआहह..' की आवाज़ें आ रही थीं. अब वो भी नीचे से मेरा साथ दे रही थी.

अचानक उसकी बॉडी अकड़ गई और उसने पानी छोड़ दिया और बोली- अब बस करो.
पर मेरा अभी नहीं हुआ था तो मैंने झटके लगाना चालू रखा, थोड़ी देर में उसे फिर से मजा आने लगा और फिर से मेरा साथ देने लगी.
काफ़ी देर की चुदाई के बाद मेरा छूटने वाला था, मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी और फिर अपना सारा माल उसकी फ़ुद्दी में गिरा दिया.
इस दौरान वो दो तीन बार झड़ चुकी थी.

फिर उसी रात हमने एक बार और चुदाई का मजा लिया.

तो दोस्तो, आप अपना प्यार और विचार मुझे मेल करते रहें. मैं अपने जीवन की सभी सच्ची घटनाएं आपको बताता रहूँगा. अगर कुछ गलती हुई हो तो प्लीज जरूर बताइएगा.. ताकि मैं आगे उसमें सुधार कर सकूँ.
आपका प्यारा दोस्त राहुल

rahulshm2299@gmail.com

Other stories you may be interested in

गीली चूत

मैंने आज तक कभी इतनी गीली चूत नहीं देखी जो मैंने पिछले साल अहमदाबाद में देखी. वो जब जब चुदती थी अपनी चूत कपड़े से पौंछती रहती थी. पिछले साल मुझे ऑफिस की तरफ से ट्रेनिंग पे अहमदाबाद भेजा गया […]
Full Story >>>

पड़ोसन भाभी को पटा कर चुदाई का मजा दिया

दोस्तो, मेरा नाम समीर है. मैं मुंबई का रहने वाला हूँ. मैं अभी पच्चीस साल का हूँ. मेरा कद और बॉडी जिम करने के कारण काफी आकर्षक है. बनाने वाले की कृपा से और पोर्न मूवीज देख कर लगातार लंड […]
Full Story >>>

मदमस्त काली लड़की का भोग-4

अब तक की कहानी में आपने पढ़ा कि सलोनी की चूत से पहली छूट निकलने के बाद उसने अपने जिस्म को चादर में लपेट लिया. लड़की होने का अधूरा अहसास उसको हो चुका था और अब बारी थी उसको लड़की […]
Full Story >>>

मामा ने बनाया मेरी बुर का भोसड़ा

दोस्तो नमस्कार ! मैं राज शर्मा चंडीगढ़ से एक बार फिर आप सभी के सामने अपनी एक नई कहानी को लेकर हाजिर हूं। आप सभी ने मेरी अपनी पिछली कहानियां पढ़ कर मुझे बहुत मेल व सुझाव दिए उसके लिए आप […]
Full Story >>>

मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-2

नमस्कार दोस्तो, मेरी पहली और सच्ची दास्ताँ मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-1 को जो अपने प्यार दिया, उसके लिए सभी का धन्यवाद. मेरी कहानी के पहले भाग में जैसा कि आपने देखा कि मेरे मामा की बेटी कोमल और […]
Full Story >>>